आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :12 अंक :303 पृष्ठ -8 दिनांक 04 नबम्वर 2024 दिन सोमवार

कनाडा के मंदिर में हिंदू श्रद्धालुओं पर हमले के खिलाफ यूपी से उठी आवाज

कनाडा में हिन्दू मंदिर पर हमले का टोरंटो के सांसद केविन वुओंग ने भी कड़ा विरोध जताया

कनाडा में रविवार को ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर के पास खालिस्तानी चरमपंथियों के प्रदर्शन ने हिंसात्मक रूप ले लिया, जिसमें मंदिर के भक्तों पर हमले की खबर है. इस घटना की कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो सहित कई नेताओं ने कड़ी निंदा की है. ट्रूडो ने कहा, ष्ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में हुई हिंसा अस्वीकार्य है. हर कनाडाई को अपनी आस्था की स्वतंत्रता और सुरक्षा का अधिकार है.ष्उन्होंने पील पुलिस का शुक्रिया भी अदा किया, जिन्होंने तुरंत कार्रवाई की और समुदाय की सुरक्षा सु. निश्चित की. कनाडा के सांसद चंद्र आर्य ने इस घटना पर कड़ा विरोध जताते हुए इसे खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा लक्ष्मण रेखा पार करने जैसा बताया. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, आज कनाडा के खालिस्तानी चरमपंथियों ने एक लाल रेखा पार की है. मंदिर के अंदर हिंदू–कनाडाई भक्तों पर हमले से खालिस्तानी हिंसात्मक चरमपंथ की गंभीरता का अंदाजा होता है.टोरंटो के सांसद केविन वुओंग ने भी कड़ा विरोध जताया और कहा कि कनाडा अब उग्रवादियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बन गया है.ष्उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हिंदू–कनाडाई समुदाय पर हमला चिंताजनक है. हमारे नेताओं ने हिंदू, ईसाई और यहूदी कनाडाई नागरिकों को सुरक्षित रखने में विफलता दिखाई है. हमें सबको शांति से प्रार्थना करने का अधिकार है.हमले के खिलाफ यूपी से उठी आवाजकनाडा के हिंदू मंदिर पर हमले के बाद अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि यह वै. श्विक षड्यंत्र का हिस्सा है.उन्होंने कनाडा के हिंदू मंदिर पर हुए हमले की कड़े शब्दों में आलोचना करते हुए कहा कि यह वैश्विक षड्यंत्र का हिस्सा है. उन्होंने कहा कि यह कायराना हमला है. यह हिन्दू विरोधी वैश्विक षड्यंत्र का हिस्सा है. इस हमले को खालिस्तानियों का हमला बताकर ट्रूडो सरकार बच नहीं सकती है. दुनिया भर में अहिंसा का संदेश देने वाले देश भारत में रहने वाले सनातन धर्मियों की मंदिरों पर अगर हमला होगा तो यह माना जाना चाहिए कि वहां की सरकार नाकाम है. भारत

सरकार को इस मामले में अपना पक्ष रखना चाहिए.इस हमले के बाद हिंदू कनाडियन फाउंडेशन ने घटना का एक वीडियो साझा किया और बताया कि खालिस्तानी चरमपंथियों ने मंदिर में बच्चों, महिलाओं और पुरुषों पर हमला किया.पिछले साल भी इसी तरह की घटनाएं सामने आई थीं, जैसे विंडसर के एक हिंदू मंदिर पर भारत–विरोधी चित्र बनाए गए थे. इस प्रकार की घटनाएं धार्मिक असहिष्णुता और कट्टरपंथ के बढ़ते प्रभाव को दर्शाती हैं. ऐसे हमलों ने भारत–कनाडा संबंधों को प्रभावित किया है. प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में संलिप्त होने के आरोप लगाए थे, जिन्हें भारत ने बेतुकाऔर प्रेरित बताया है.

यूपी उपचुनाव में संजय निषाद को . BJP ने दी बड़ी जिम्मेदारी, सीएम . योगी संग करेंगे कदम ताल

उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का घमासान अब अपनीआखिरी दौर में पहुंच गया है. ऐसे में बीजेपी ने सभी सीटों पर अपनी पूरी ताकत झोंकने की तैयारी कर ली है. वहीं यूपी उपचुनाव में एक भी सीट नहीं मिलने से नाराज निषाद पार्टी के मुखिया और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद को भी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है. संजय निषाद सीएम योगी के साथ चुनाव प्रचार करते दिखाई देंगे. सीएम योगी आदित्यनाथ पश्चिमी यूपी से उपचुनाव का प्रचार शुरू करेंगे. मुख्यमंत्री सभी सीटों पर 3 दिन में 9 जनसभाएं करेंगे. सीएम योगी के अलावा दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक में चुनाव प्रचार करेंगे. उनके साथ ही यूपी सरकार के कई बड़े मंत्रियों और सहयोगी दलों के नेताओं को भी इसकी जिम्मेदारी दी गई है. ताकि लोगों में एनडीए की एकजुटता का मैसेज भी दिया जा सके. सीएम योगी सभी सीटों पर करेंगे जनसभा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन दिन 8 नवंबर, 9 नवंबर और 11 नवंबर को नौ जनसभाएं करेंगे. यानी हर दिन वो तीन विधानसभाओं में जनसभा करेंगे और बीजेपी के लिए चुनाव प्रचार करेंगे. सीएम योगी 8 नवंबर को गाजियाबाद, कुंदरकी और मीरापुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए जनसभा करेंगे. जबकि 9 नवंबर को सीसामऊ, करहल और खैर में जनसभा करेंगे. इसके अलावा 11 नवंबर को कटेहरी, फूलपुर और मझवा में मुख्यमंत्री की जनसभाएं होंगी. सीएम योगी के अलावा प्रभारी मंत्रियों को भी अपनी प्रभार वाली सीटों पर प्रवास करने के निर्देश दिए गए हैं. इन सभी को स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव की रणनीति पर काम करने और बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाने की जिम्मेदारी होगी. रणनीति के तहत फूलपुर में मंत्री राकेश सचान, मंत्री दयाशंकर सिंह प्रवास करेंगे. संजय निषाद ने दी ये जिम्मेदारी कटेहरी विधानसभा सीट पर चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी निषाद पार्टी के मुखिया और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद को दी गई है. उनके साथ स्वतंत्रदेव सिंह और दयाशंकर मिश्र भी चुनाव प्रचार करेंगे. कुंदरकी में जेपीएस राठौर, जसवंत सैनी, गुलाब देवी प्रचार करेंगीं जबकि गाजियाबाद में सुनील शर्मा, बृजेश सिंह, कपिल देव अग्रवाल प्रचार करेंगे.खैर विधानसभा सीट पर मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, करहल में जयवीर सिंह, योगेंद्र उपाध्याय, अजीत पाल, सीसामऊ में मंत्री सुरेश खन्ना, नितिन अग्रवाल प्रवास करेंगे. इसके साथ ही सीसामऊ में अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों की भी तैनाती की गई है. मंझवा में अनिल राजभर, आशीष पटेल, रविंद्र जायसवाल प्रचार करेंगे तो वहीं मीरापुर में मंत्री अनिल कुमार, सोमेंद्र तोमर और केपी मलिक को चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी दी गई है.

यूपी में वकीलों की हड़तालय गाजियाबाद में वकील धरने पर बैठे . झांसी में कामकाज ठप CM के नाम ज्ञापन सौंपा

दिल्ली से सटे गाजियाबाद में बीते दिनों जिला कोर्ट में वकीलों पर हुई लाठीचार्ज के विरोध में अधिवक्ता हड़ताल पर हैं। गाजियाबाद ही नहीं झांसी में भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है।गाजियाबाद कोर्ट में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के बाद प्रदेश के सभी जिलों के वकील अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। गाजियाबाद में जिला बार एसोसिएशन का मुख्य गेट धरना स्थल बनाया गया है। जहां पर सभी धरना दे रहे हैं। कोर्ट की तरफ आने वाले सभी गेट बंद कर दिए गए हैं। गाजियाबाद की जिला जज कोर्ट से दूसरे कोर्ट में केस ट्रांसफर के आमला को लेकर हुऐ विवाद के वाद वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में दोषी अफसरों पर करवाई की मांग को लेकर आज जिला अधिवक्ता संघ ने काम बंद कर हड़ताल पर हैं। इतना ही नहीं जोरदार प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट में प्रदेश के

मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया।गाजियाबाद की जिला कोर्ट में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज कार्रवाई के विरोध में अधिवक्ताओं की हड़ताल शुरू हो गई है। बार सभागार में अधिवक्ता धरने पर बैठ गए हैं।

कुंदरकी उपचुनाव से पहले सपा ने कर डाली बड़ी मांग

उत्तर प्रदेश उपचुनाव को लेकर आरोप प्रत्यारोप को सिलसिला शुरू हो गया है, समाजवादी पार्टी ने कुंदरकी में पुलिस और प्रशासन के अफसरों पर मतदाताओं पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है. सपा ने इस संबंध में यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन दिया है. जिसमें चार पुलिस थानों के पुलिसक. र्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों पर बीजेपी के पक्ष में प्रचार करने का दबाव बनाने की बात कही गई है. समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा कि पुलिस प्रशासन सपा समर्थक मतदाताओं और कार्यकर्ताओं पर बीजेपी के पक्ष में प्रचार और वोट करने के लिए दवाब बनाने की कोशिश कर रही है. इसी तरह अंबेडकरनगर की कटेहरी सीट पर भी बिना कारण सपा समर्थकों के वाहन बंद किया जा रहे हैं. समाजवादी पार्टी ने लिखी चिट्ठी सपा प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि बीजेपी के पक्ष में मतदान और प्रचार से इनकार करने वाले लोगों से वोटिंग के दो दिन पहले कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र से बाहर चले जाने की चेतावनी दी जा रही है. सपा ने बिलारी के एसडीएम और कुंदरकी के वीडियो का ट्रांसफर जिले से बाहर की जाने और अर्ध सैनिक बलों की देखरेख में चुनाव कराए जाने की मांग की है.चुनाव आयोग को लिखी चिट्ठी में श्यामलाल पाल ने लिखा कुंदरकी में चार पुलिस थानों, कुंदरकी, मैनाठेर, मुंडापांडेय और कटघर के पुलिसकर्मियों द्वारा सपा समर्थक मतदाताओं और कार्यकर्ताओं पर बीजेपी के पक्ष में चुनाव प्रचार का दबाव बनाया जा रहा है. ऐसा नहीं करने वालों को थाने में बुलाकर मतदान से दो दिन पहले ही कुंदरकी छोड़ने का दबाव बनाकर डराया धमकाया जा रहा है. उन्होंने उपजिलाधिकारी बिलारी विनय कुमार और खंड विकास अधिकारी कुंद. रकी के द्वारा ग्राम प्रधानों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सचिवों के माध्यम से मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड एकत्र वोटरों को भयभीत करने की शिकायत की. उन्होंने इस उपचुनाव को राज्य पुलिस को चुनावों की गतिविधियों से अलग रहने और पैरामिलिट्री फोर्स की देखरेख में चुनाव कराने को कहा है.

वोटिंग की तारीख में बदलाव, 13 नवंबर को नहीं डाले जाएंगे वोट

उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं. इस उपचुनाव के लिए नामांकन खत्म होने के बाद अब चुनाव प्रचार तेज हो गया है. राज्य में उपचुनाव के लिए पहले 13 नवंबर को वोटिंग होने वाली थी. लेकिन अब वोटिंग की तारीख में बदलाव किया गया है. अब इन सभी सीटों पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी.चुनाव आयोग के मुताबिक, जिन राज्यों में उपचुनाव हो रहा वहां पर राष्ट्रीय और राज्य स्तर की पार्टियों के द्वारा बदलाव मांग की गई थी. पार्टियों की मांग थी कि 13 नवंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव की तारीख में बदलाव किया जाए क्योंकि उस दिन धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम हैं. जिसके चलते चुनाव संपन्न करवाने में दिक्कत आएगी और उसका असर मतदान प्रतिशत पर भी पड़ेगा.उत्तर प्रदेश की जिन सीटों पर उप चुनाव की तारीख में हुआ है बदलाव वो हैं गाजियाबाद, फूलपुर (प्रयागराज), खैर

(अलीगढ़), कटेहरी (अंबेडकरनगर), करहल (मैनपुरी), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर नगर) और कुंदरकी (मुरादाबाद). इनमें से 8 सीटें लोकसभा चुनाव में अपने विधायकों के सांसद चुने जाने के बाद खाली हुई थीं. जबकि सीसामऊ सीट पर सपा विधायक इरफान सोलंकी की अयोग्यता के कारण उपचुनाव हो रहा है, जिन्हें एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराया गया था.इन पार्टियों ने की थी मांग एएनआई द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया है कि विभिन्न त्योहारों के कारण केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव 13 नवंबर से 20 नवंबर को पुनर्निर्धारित कर दिया गया है. कांग्रेस, भाजपा, बसपा, त्स्व और अन्य राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के अनुरोध पर और कम मतदान की किसी भी संभावना को खारिज करने के लिए, चुनाव आयोग ने तीन राज्यों केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव 13 नवंबर से 20 नवंबर तक पुनर्निर्धारित किया है गौरतलब है कि केंद्रीय चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा सीटों के अलावा 48 विधानसभा सीटों और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान किया था और यह उपचुनाव 13 नवंबर और 20 नवंबर को होने हैं और इन सभी सीटों पर मतगणना 23 नवंबर को ही होगी.

यूपी कैबिनेट बैठक अब पांच के बजाए तीन साल में हो सकेगा शिक्षकों का तबादला, 27 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में कुल 27 प्रस्तावों पर मुहर लगी है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेज के शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर निर्णय लिया गया। शिक्षक अब पांच वर्ष की न्यूनतम सेवा की जगह सिर्फ तीन साल बाद ही स्थानांतरण करवा सकेंगे। बैठक में कुल 27 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।बैठक में पशु चिकित्सा के क्षेत्र में पैरावेट के लिए डिप्लोमा व सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के लिए भी नीति को मंजूरी मिल गई है। प्रदेश सरकार ने नई शीरा नीति को मंजूरी दे दी है। इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। पिछली बार की तरह देसी मदिरा के लिए 19 फीसद शीरा मुहैया कराया जाएगा। चीनी मिलों को 20 रुपए कुंतल विनियामक शुल्क देना होगा। लघु उद्योगों को भी शीरा मुहैया कराने की व्यवस्था है।

दिल्ली में साले के घर पर शख्स ने की साढू की हत्या, भाई दूज के मौके पर वारदात

दिल्ली के खजूरी खास इलाके में मामूली विवाद के बाद शख्स ने अपने साढू की गोली मारकर हत्या कर दी

दिल्ली के खजूरी खास इलाके में एक शख्स की हत्या का मामला सामने आया है. जानकारी के मुताबिक साले के घर में ही पत्नी और साली के सामने ही शख्स ने गोली मारकर अपने ही साढू की जान ले ली. ये वारदात रविवार (3 नवंबर) को शाम करीब 6 बजकर 30 मिनट पर हुई. आरोपी की पहचान अजय नाम के व्यक्ति के तौर पर हुई. वहीं, मृतक की पहचान हेमंत के तौर पर की गई है.बताया जा रहा है कि अजय और हेमंत अपने साले बंटू के यहां आये हुए थे. दोनों अपनी पत्नी के साथ भाई दूज के मौके पर आए थे. इसी दौरान कुछ बात को लेकर झगड़ा हुआ और बात इतनी बढ़ गई कि गोली चल गई.गोली मारने के बाद अजय नाम का आरोपी फरार जानकारी के मुताबिक दोनों एक साथ माला बनाने का काम करते हैं. त्योहारों के समय में दोनों के बीच कुछ दिन पहले भी झगड़ा हुआ था. आज फिर दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई. इसके बाद अजय नाम के शख्स ने हेमंत पर गोली चला दी और फरार हो गया. बताया जा रहा है कि कारोबार में विवाद को लेकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया. माला बनाने के कारोबार को लेकर हुई थी बहस– पुलिस दिल्ली पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया, श्शाम 6.20 बजे खजूरी खास पुलिस स्टेशन में गोलीबारी की घटना के संबंध में एक कॉल प्राप्त हुई. मौके पर पहुंचने पर पता चला कि अजय और हेमंत नाम के दो लोगों के बीच माला बनाने के कारोबार को लेकर आपस में बहस हो गई थी. अजय ने हेमंत पर गोली

चला दी और मौके से भाग गया.श्श पुलिस मामले की जांच में जुटीदिल्ली पुलिस के मुताबिक गोली लगने के बाद हेमंत को इलाज के लिए जेपीसी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया. हेमंत को 2 गोलियां लगीं, एक सिर में और दूसरी छाती के बाईं ओर. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. वहीं, फरार आरोपी की तलाश की जा रही है.

हवा ने दिलाई राहत, 40 अंक . नीचे आया एक्यूआई

साहिबाबाद। हवा की गति ने गाजियाबाद के लोगों को राहत दिलाई है। तीन किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने पर रविवार को शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक शनिवार के मुक. ाबले 40 अंक नीचे आया और लोगों को थोड़ी राहत मिली। रविवार को शहर का एक्यूआई 290 दर्ज किया गया जो कि खराब श्रेणी में रहा लेकिन, शनिवार के मुकाबले कम रहा। लोनी का एक्यूआई गंभीर श्रेणी में है।पटाखे जलाने से दिवाली के अगले दो दिन तक लगातार हवा की सेहत बिगड़ रही थी। शनिवार रात से हवा चलने पर प्रदूषण कुछ कम हुआ और लोगों को राहत मिली है। गाजियाबाद के चारों स्टेशनों के एक्यूआई में कमी दर्ज की गई। लोनी को छोड़ सभी तीन स्टेशन गंभीर श्रेणी से बाहर आ गए, जिससे कुछ राहत है। उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी विकास मिश्र का कहना है कि दिल्ली के करीब होने के कारण लोनी का एक्यूआई अधिक है। रविवार को लोनी का एक्यूआई 350 दर्ज किया गया हालांकि शनिवार के मुकाबले यहां भी 27 अंक कम हुए लेकिन, अभी भी हालात चिंताजनक हैं। वहीं लोनी के बाद रविवार को वसुंधरा की हवा अधिक खराब रही और यहां का एक्यूआई 292 दर्ज किया गया। वहीं इंदिरापुरम का एक्यूआई 176 तो संजयनगर काएक्यूआई 244 दर्ज किया गया। अधिकारी का कहना है कि हवा चलती रही तो लोगों को प्रदूषण से राहत मिल सकती है।

राजस्थान और गुजरात में महिलाएं शादी से पहले ही मां बन जाती हैं

राजस्थान और गुजरात की गरासिया जनजाति में लिव–इन रिलेशनशिप सामान्य है. यहां महिलाएं शादी से पहले मां बन सकती हैं और अपने पसंद के साथी चुनने की आजादी रखती हैं. यह प्रथा सदियों पुरानी है और विश्वभर में मशहूर है.दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में युवक–युवतियों का शादी से पहले एक ही घर में रहना आम हो गया है. इसे लिव–इन रिलेशनशिप कहा जाता है. हालांकि, छोटे शहरों में इसे अभी भी गलत माना जाता है और कई युवाओं को इसे अपने घरों में छिपाना पड़ता है. गांवों में इस परंपरा को सुनकर विवाद हो जाता है. भारत में एक ऐसी जगह है जहां लिव–इन रिलेशनशिप सामान्य है और माता–पिता अपने बच्चों को इसकी इजाजत देते हैं. हम बात कर रहे हैं राजस्थान और गुजरात में रहने वाली गरासिया जनजाति की. इस जनजाति में पुरुष और महिलाएं बिना शादी के साथ रहते हैं और महिलाएं शादी से पहले मां भी बन जाती हैं. महिलाओं को अपनी पसंद का लड़का चुनने का अधिकार है, जिससे यह जनजाति प्रगतिशील मानी जाती है.शादियों के लिए दो दिवसीय मेले का आयोजन यहां शादियों के लिए दो दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है. इस मेले में लड़के–लड़कियां इकट्ठा होते हैं और यदि वे किसी को पसंद कर लेते हैं, तो उसके साथ मेले से भाग जाते हैं. फिर वे बिना शादी किए साथ रहने लगते हैं. इस दौरान वे संतान की प्राप्ति भी कर सकते हैं. इसके बाद, वे अपने गांव लौटते हैं और उनके माता–पिता उनकी शादी धूमधाम से करते हैं.लिव–इन की प्रथा का ऐतिहासिक महत्व इस जनजाति में लिव–इन में रहने की प्रथा सदियों पुरानी है. माना जाता है कि पहले इस जाति के चार भाई गांव छोड़कर कहीं और रहने लगे थे. जिनमें से तीन ने भारतीय रीति–रिवाज से शादी की, लेकिन एक भाई बिना शादी के एक लड़की के साथ रहने लगा. उन तीन भाइयों की संतान नहीं थी, लेकिन चौथे भाई की एक संतान थी. तभी से यहां लिव–इन में रहने की परंपरा शुरू हुई.महिलाओं को मिली आजादी रिपोर्ट्स के मुता. बिक, गरासिया महिलाएं यदि चाहें, तो पहले पार्टनर के बावजूद दूसरे मेले में दूसरा पार्टनर चुन सकती हैं. इस तरह उन्हें आजादी मिलती है, जो आधुनिक समाज में भी नहीं मिलती. यही वजह है कि ये जनजाति विश्व भर में मशहूर है, और ऐसी आजादी शहरी महिलाओं को भी नहीं मिलती. भारत में ऐसी कई अन्य जनजातियाँ भी हैं जो इस प्रकार की परंपराएं रखती हैं.

जाला रोग आम की फसल को कर रहा बर्बाद

औरंगाबाद(सीतापुर)। क्षेत्र में आम के बा. गवान इस समय बेहद परेशान हैं। आम के बागों में जाला रोग लग रहा है। यह फसल की बर्बाद कर रहा है। किसान कई तरह के कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कर रहे हैं लेकिन इससे वह निजात नहीं पा रहे हैं।औरंगाबाद सहित संदना, रामगढ़, नैमिष, भानपुर, भैरमपुर, अनोगी, हसनगंज, रहिमाबाद, हथिया, कल्ली, कोरौना, आंट, जमुनापुर आदि इलाके में आम के बाग है। हजारों किसानों की आजीविका आम की फसल पर ही निर्भर है। क्षेत्र के अधिकतर बागों को जाला रोग ने अपनी चपेट में ले लिया है।आम के सीजन में इलाके के बागों से बड़े पैमाने पर आम की सप्लाई महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, पंजाब, बंगाल, दिल्ली सहित देश के तमाम हिस्सों में की जाती है। बीते एक माह से क्षेत्र के बागों में जाला कीट तेजी के साथ बढ़ रहा है।ये कीट पेड़ों के कल्लों को अपने द्वारा छोड़े गए जाले से लपेट कर गुच्छे नुमा बना कर तेजी से उसका रस चूस कर सुखा रहा है। जिसका असर आने वाली आम की फसल की पैदावार पर पड़ने का अंदेशा है। इस समय बागवान पेड़ों पर फैले जाला कीट को मारने के लिए तरह–तरह के कीटनाशकों का छिड़काव तेजी के साथ कर रहे हैं।नहीं हो रहा असर उबागवान असगर ने बताया कि आम के पेड़ों पर लगे जाला कीट द्वारा पेड़ों के कल्ले का रस चूस लेने के कारण पेड़ के कल्ले सूख रहे हैं जिससे पेड़ों को नुकसान पहुंच रहा है। कीटनाशकों की सही जानकारी न होने के कारण बागवानों को इस कीट को मारने में दिक्कतें आ रही हैं। वहीं कल्लो के नष्ट हो जाने से बौर नहीं आने की आशंका बढ़ गई है। बागवान जावेद बेग ने बताया कि इस समय आम के पेड़ों पर जाला कीट के अलावा कटर कीट का प्रकोप बागों में देखा जा सकता है। कटर कीट नए कोपलों को काट रहा है। बागवान रामनाथ, शाहनवाज, सलीम कुरैशी, मोबीन बेग आदि ने बताया जानकारी के अभाव में अधिकतर बागवान कीटनाशक बेचने वाले दुकानदारों द्वारा बताई दवाओं का ही प्रयोग करते है। जो अक्सर बेअसर साबित होती है।

जेल पहुंचकर 892 बहनों ने भाइयों को किया तिलक

एटा। जिला कारागार में भी भाई दूज का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। जेल पहुंचकर 892 बहनों ने अपने बंदी भाइयों को तिलक लगाकर पर्व मनाया।हर साल की तरह इस बार भी भारी संख्या में बहनें जिला कारागार में निरुद्ध अपने भाइयों से मिलने पहुंची। सुबह से ही जेल के बाहर महिलाओं, युवतियों की कतारें लगने लगीं। कारागार के बाहर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई। जिससे दूर दराज क्षेत्रों एवं जिलों से आने वाली बहनों को असुविधा न हो। कारागार के अंदर व बाहर हेल्प डेस्क बनाई गई।बाहर से आने वाली प्रत्येक बहन की सुरक्षा के तहत उसके सामान की सघन तलाशी के साथ मिष्ठान का एक डिब्बे ले जाने की अनुमति दी गई। जेल अधीक्षक अमित चौधरी ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भाई दूज के पवित्र त्योहार पर खासा उत्साह कारागार परिसर में देखने को मिला। अनेक भाई–बहन एक दूसरे से मिलने के बाद भावुक मुद्रा में दिखाई दिए। कुल 892 बहनों ने अपने भाइयों से मुलाकात कर पर्व मनाया।

एटा में तैनात दरोगा की हार्ट अटैक से मौत, सुबह-सुबह सीने में उठा दर्द...अस्पताल ले जाते समय गई जान

मिरहची थाने में तैनात उप निरीक्षक के सुबह–सुबह सीने में तेज दर्द उठा। साथी उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे थे। यहां उनकी हालत और भी बिगड़ गई। अलीगढ़ के लिए रेफर किया गया था। एटा के थाना मिरहची में तैनात दरोगा की मौत हो गई। सुबह–सुबह सीने में तेज दर्ज हुआ। साथी तत्काल ही उन्हें मेडिकल कॉलेज ले गए। यहां से दरोगा को अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। रास्ते में उनकी सांसें थम गईं। दरोगा की मौत की खबर मिलते ही परिवारीजनों में को. हराम मच गया। मिरहची थाने में तैनात उप निरीक्षक अमरीश चौधरी 1991 के बैच में पुलिस में भर्ती हुए थे। सोमवार की सुबह सीने में दर्द हुआ। साथी उन्हें लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। यहां से उपचार के लिए उन्हें अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। अलीगढ़ ले जाते समय रास्ते में उनकी सांसें थम गईं। बताया गया है कि दिवाली से पहले ही अमरीश चौधरी का पदोन्नति हुई थी और वे

दरोगा बने थे। अमरीश चौधरी गांव लो. हर्रा थाना लोधा जिला अलीगढ़ के रहने वाले थे। उनकी मौत की सूचना पर परिवारीजनों में कोहराम मच गया।

यूपी उपचुनाव की तारीख क्यों बदली गई? डिंपल यादव का आया ये बयान बोलीं- कुछ तो हो रहा है

उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तारीख को बदल दिया गया है। इसे लेकर मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा कि कुछ तो ऐसा हो रहा है, जिसकी वजह से ये बदलाव किया गया है। डिंपल यादव ने कहा कि सूचना आ रही है कि उपचुनाव की तारीख 20 नवंबर कर दी गई है। कहीं न कहीं मैं समझती हूं, कोई हलचल मची हुई है। हम लोग अच्छा कर रहे हैं। महाराष्ट्र में भी समाजवादी पार्टी कुछ सीटों पर चुनाव लड़ते हुए अच्छा करने का जो कार्य कर रही है, तो मुझे लगता है कि कुछ न कुछ तालमेल बैठाते हुए ये तारीखें बदली गई हैं। भाजपा सबसे चालू पार्टी डिंपल यादव ने कहा कि कोई चालू पार्टी है, तो भाजपा है। क्योंकि ये पार्टी जानती है कि लोगों का ध्यान कैसे भटकाया जाता है और ये ध्यान सिर्फ इसलिए भटकाते हैं, जिससे कि वोट बंटोर सकें। इनको समाज की

सेवा करने का, युवाओं को नौकरी देने का और महिलाओं को सुरक्षा देने का इनका कोई इरादा नहीं है। न पहले था और न अब होगा। लेकिन अच्छी बात ये है कि आज सभी समाज के लोग और सभी वर्ग, चाहे हमारे जवान, किसान या माताएं–बहनें हों वे इस बात को जान गए हैं कि ये भारतीय जनता पार्टी भटकाने वाली राजनीति करती है। लोगों को भिड़ाने वाली और भय वाली रा. जनीति करती है।

रास न आया रसगुल्ले का कड़वा स्वाद दुकानदार पर टूट पड़े ग्राहक , छिड़ी जंग, चले ईट–पत्थर

रसगुल्लों का स्वाद कड़वा लगने पर युवकों ने दुकानदार के साथ जमकर मारपीट की। पीड़ित दिनेश चंद्र द्वारा घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई। जिसके बाद थाने पहुंच कर उनके द्वारा सभी दबंग युवकों के खिलाफ तहरीर दी गई। घटना का वीडियो रविवार की सुबह से जमकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।आगरा के ट्रांस यमुना कॉलोनी में रसगुल्ले के स्वाद ने बवाल करा दिया। ग्राहक ने रसगुल्ले कड़वे बताकर मिठाई विक्रेता और उनके बेटे की पिटाई की। सिर में ईंट मार दी। दोनों लहूलुहान हो गए। क्षेत्रीय लोगों के आने पर हमलावर भाग गए। रविवार को घटना का वीडियो सा. शल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।नरायच निवासी दिनेश चंद की बालाजी नगर चौराहे पर मिठाई की दुकान है। दिनेश चंद ने बताया कि शुक्रवार रात 10 बजे काउंटर पर बेटा अंकित बैठा हुआ था। वह दुकान के अंदर मिठाई बना रहे थे। विवेक, लटूरी, लवकुश, संजू, रोहित, अंकुश अपने अन्य साथियों के साथ आए। उन्होंने बराबर की कैला देवी मिठाई की दुकान से खाने का सामान खरीदा। इसके बाद उनके पास आए। रसगुल्ले लेकर खाने लगे।आरोप है कि रसगुल्लों का स्वाद कड़वा बताकर वे बिना भुगतान के जाने लगे। अंकित ने टोका। कहा कि आज ही मिठाई बनाई हैं। वह ताजा मिठाई बेचते हैं। इस पर युवकों ने उन्हें काउंटर से खींच लिया। मिठाई फेंकने लगे। विरोध पर ईंट मारकर सिर फोड़ दिया। चीखपुकार पर वह घर से निकल आए और बेटे को बचाने का प्रयास किया। युवकों ने उनके भी सिर में ईंट मार दी।इसी बीच शोर सुनकर दुकान स्वामी जो अपने दूसरे बेटे के साथ दुकान के अंदर मिठाईयां बना रहे थे, बाहर निकल आए तो उन लोगों ने उनके ऊपर भी किसी भारी वस्तु से प्रहार कर लहूलुहान कर दिया। इसके बाद युवकों द्वारा ईंट पत्थरों की फिकाई शुरू कर दी गई। बमुश्किल दुकान स्वामी ने अपने बेटों सहित खुद को दुकान का शटर गिराकर बंद किया और अपनी जान बचाई। दिनेश ने बताया कि उन्होंने किसी तरह दुकान में बंद होकर जान बचाई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। आ. सपास के लोगों ने मोबाइल से वीडियो भी बना लिए थे। दिनेश का आरोप है कि हमलावर युवक बगल के मिठाई विक्रेता संजू के कहने पर आए थे। एक महीने पहले भी उनको धमकी दी गई थी।थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले में संजू, उनके पिता, विवेक, लटूरी, लवकुश, रोहित, अंकुश और 7–8 अज्ञात के खिलाफ बलवा, मारपीट, पथराव आदि का मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारी वाहनों को रोका, फिर भी यातायात व्यवस्था धड़ाम, दिनभर लगा रहा जाम

अलीगढ़ सारसौल चौराहे से लेकर मसूदाबाद चौराहा, रसलगंज, मालगोदाम, गांधीपार्क बस स्टैंड, दुबे का पड़ाव, एटा चुंगी, धनीपुर मंडी, आगरा रोड, हाथरस अड्डा, सासनी गेट चौराहे, रामघाट रोड, क्वार्सी चौराहा पर दिन भर जाम जैसे हालात बने रहे।भाई दूज और दूसरे दिन 4 नवंबर को शहर की सड़कों पर चारों तरफ बस भीड़ ही भीड़ दिखाई दी। इससे यातायात व्यवस्था पूरे दिन धड़ाम रही। जाम के चलते यात्रियों को कई किमी पैदल यात्रा भी करनी पड़ी। सारसौल चौराहे से लेकर मसूदाबाद चौराहा, रसलगंज, मालगोदाम, गांधीपार्क बस स्टैंड, दुबे का पड़ाव, एटा चुंगी, धनीपुर मंडी, आगरा रोड, हाथरस अड्डा, सासनी गेट चौराहे, रामघाट रोड, क्वार्सी चौराहा पर दिन भर जाम जैसे हालात बने रहे। जाम से वाहन रेंगते नजर आए। इससे ट्रैफिक पुलिस की त्योहार को लेकर की गईं व्यवस्थाएं नाकाफी साबित हुईं। सेंटर प्वाइंट, मैरिस रोड, रेलवे रोड, महावीरगंज, बड़ा बाजार, ऊपरकोट, बारहद्वारी समेत शहर के प्रमुख बाजारों में ग्राहकों की काफी भीड़ देखने को मिली।भारी वाहनों को रोक. ।भाई दूज पर शहर में जाम न लगे इसके लिए यातायात पुलिस ने बौनेर

चौराहा से शहर में आने वाले भारी वाहनों व रोडवेज बसों को नियंत्रित कर उन्हें बाईपास से निकाला। सीओ यातायात अशोक कुमार सिंह ने बताया कि दीपोत्सव को लेकर शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया था। त्योहार बाद शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

सिंघारपुर स्थित डॉ शन्नो रानी सरस्वती कन्या महाविद्यालय सिंघारपुर मथुरा रोड अलीगढ़ में स्व० डॉ० डी० कुमार जी की षष्ठम् पुण्यतिथि मनाई।

अलीगढ़ मथुरा रोड, सिंघारपुर पर संचालित डॉ शन्नो रानी सरस्वती कन्या महाविद्यालय में आज महाविद्यालय के फाउंडर स्व० डॉ० डी० कुमार जी की षष्ठम् पुण्यतिथि हवन कराकर मनाई गई।महाविद्यालय के निदेशक श्री विशाल सक्सेना जी ने बताया कि डॉ० डी० कुमार जी अपने अलीगढ़ के ही नहीं वरन् देश के प्रख्यात नेत्र चिकित्सक थे। डॉ० डी० कुमार जी का शुरुआत से ही बस एक ही सपना था कि गांव की बेटियां जो शिक्षा से दूर थी, उनके मन में पढ़ाई की ललक थी, मगर कॉलेज न होने से दिल में तूफान को समेटे थीं।बेटियों की शिक्षा उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे किशोरियों को आगे जाकर देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के उचित अवसर मिल सकेंगे। शिक्षा ही वह सीढ़ी है, जिससे बेटियां अपने पैरों पर खड़ी होकर मजबूत भविष्य बना सकती है। उन बेटियों के सपनों को पंख लगाने के लिए एक कन्या महाविद्यालय की स्थापना की जाए और 2017 में स्थापना की गई। आज महाविद्यालय के आसपास के दर्जन भर से अधिक गांव की बेटियां महाविद्यालय में शिक्षा लेकर हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। समस्त महाविद्यालय परिवार ने स्वर्गीय डॉ० डी० कुमार जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विभाग प्रचारक श्री गोविंद जी, श्री गिरजा शंकर जी प्रचारक , श्री कृष्ण कुमार, श्री राकेश जी रस्सी , प्राचार्या डॉ.रजनी गुप्ता, वसुंधरा सिंह, रचना उपाध्याय , साक्षी दीक्षित , पुष्पेंद्र अग्रवाल, नीरज सिंह आदि उपस्थित रहे।

मा0 प्रेक्षकगण ने विधानसभा उप निर्वाचन के अभ्यर्थियों के साथ की बैठक

अलीगढ़ विधानसभा उप निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त मा0 प्रेक्षकगणों ने प्रत्याशियों एवं उनके अभिकर्ताओं के साथ बैठक की। कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में बताया गया कि विधानसभा उपनिर्वाचन में प्रत्याशियों के व्यय की अधिकतम सीमा 40 लाख रूपये निर्धारित की गई है। प्रत्याशी सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान नगद रूप में अधिकतम 10 हजार रूपये तक व्यय कर सकते हैं।मा0 सामान्य प्रेक्षक के0 कर्पगम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन व्यय के संबंध में व्यवस्थित प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इस पूरी प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य धन बल से निर्वाचन प्रक्रिया को पूर्ण रूप से मुक्त रखना है। प्रत्याशी अनुमन्य धनराशि एवं मदों के अधीन रहते हुए ही निर्वाचन संबंधी व्यय कर सकेंगे, ताकि मतदाता बिना किसी भय, लोभ या लालच के स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके मा0 व्यय प्रेक्षक जगदीश डोडी ने आयोग के निर्देशों के क्रम में सभी प्रत्याशियों को निर्देशित किया कि अभ्यर्थी व्यय का सही लेखा अनुरक्षित करने और व्यय का विवरण प्रस्तुत करने, दोनों के लिए प्रचार के सभी व्ययों में सोशल मीडिया के विज्ञापनों के व्यय को भी सम्मिलित किया जाए। उन्होंने अन्य बातों के साथ–साथ, विज्ञापनों को कैरी करने के लिए इंटरनेट कंपनियों और वे. बसाइटों को किए गए भुगतान के साथ–साथ विषय–वस्तु के रचनात्मक विकास पर होने वाले प्रचार सम्बन्धी प्रच. ालनात्मक व्यय, ऐसे अभ्यर्थियों और रा. जनीतिक दलों द्वारा अपने सोशल मीडिया एकाउन्ट्स को बनाए रखने के लिए नियोजित कामगारों की टीम को दिए गए वेतनों और मजदूरियों पर प्रच. ालनात्मक व्यय, आदि भी सम्मिलित किए जाने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया वेबसा. इटों सहित इंटरनेट के माध्यम से किए जाने वाले प्रचार के साथ ही अन्य माध्यम यथा बल्क एसएमएस एवं वॉयस कॉल इत्यादि द्वारा किए गये प्रचार पर होने वाले व्यय के सम्बन्ध में आयोग द्वारा जारी निर्देशों को समस्त राजनैतिक दलों, निर्वाचन अभ्यर्थियों, मीडिया और समस्त प्रेक्षकों सहित सभी सम्बन्धितों के संज्ञान लाते हुए अनुपालन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों का भली भाँति अध्ययन करते हुए अनुपालन सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए हैं।मा0 व्यय प्रेक्षक ने प्रत्याशियों को बताया कि उनको तीन प्रकार के रजिस्टर दिए गए हैं, विभिन्न प्रकार के खर्चों को नियमित रूप से बिल बाउचर समेत अंकन करना है। प्रत्याशियों के व्यय पर निगाह रखने के लिए विभिन्न प्रकार की टीमों का गठन किया गया है, जो निरंतर सक्रिय हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुमन्य 40 लाख रूपये से अधिक निर्वाचन व्यय होने पर प्रत्याशी का निर्वाचन निरस्त किया जा सकता है। व्यय का ब्यौरा 05, 08 एवं 11 नवम्बर को अपरान्ह 02 बजे कलैक्ट्रेट स्थित छोटे सभागार में मिलान कराया जाएगा। बैठक में मा0 पुलिस प्रेक्षक आर0 शिवाकुमार, एडीएम वित्त मीनू राणा, एसडीएम खैर महिमा, एसटीओ योगेश कुमार, सहायक निर्वाचन अधिकारी बीएसपी से अशोक सिंह, ओपी आर्य, निशांत, मुकेश चन्द्र, गोपी चन्द्र, भाजपा से मोहित कुमार, सपा से हरिओम सिंह उपस्थित रहे।

सी विजिल एप के माध्यम से आम नागरिक एमसीसी उल्लघंन की कर सकते हैं ऑनलाइन शिकायत

अलीगढ़ जिला निर्वाचन अधिकारी विशाख जी0 ने 71–खैर विधानसभा उप निर्वाचन के दृष्टिगत सभी मतदाताओं कों अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण पारदर्शी मतदान के लिए जनसामान्य को सी विजिल एप की सुविधा प्रदान की गई है। इस एप के जरिए जनसामान्य आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की ऑनलाइन रिपोर्ट कर सकते हैं। यह एप निर्वाचन घोषणा की तारीख से वोटिंग के एक दिन बाद तक सक्रिय रहेगा।आपको बता दें कि जिले में वर्तमान में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। भारत निर्वाचन आयोग का मानना है कि इस एप से आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामलों में काफी कमी आएगी और कार्रवाई में भी पारदर्शिता स्थापित होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी विशाख जी0 ने बताया है कि सी विजिल एप चुनावी गड़बड़ियों पर तत्काल लगाम लगाने में सहायक है। आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामलों को भी भारत निर्वाचन आयोग के संज्ञान में आसानी से लाया जा सकता है। सी विजिल एप के लिए कैमरा, इंटरनेट कनेक्शन और जीपीएस वाला एंड्रॉयड स्मार्टफोन का होना आवश्यक होता है। कोई भी नागरिक आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की फोटो या अधिक से अधिक 2 मिनट का वीडियो रिकॉर्ड कर ऐप पर भेज सकता है। एमसीसी उल्लंघन के संबंध में भेजी गई फोटो या वीडियो भेजने वाले की पहचान को गुप्त रखा जाता है। उन्होंने बताया कि जीपीएस की मदद से शिकायत वाले स्थान की पहचान कर अधिकतम 100 मिनट की अवधि में शिकायत की सत्यता की जाँच कर निस्तारण किया जाता है। इसके लिए शिकायतकर्ता को एक यूनिक आईडी भी प्राप्त होती है, जिसके माध्यम से शिकायतकर्ता, शिकायत के प्रति की गई कार्रवाई को भी जान सकता है। पहले से ली गई फोटो वीडियो को इस ऐप पर अपलोड नहीं किया जा सकता है। आर0ओ0 खैर महिमा ने बताया कि निर्वाचन के दौरान से मतदान दिवस तक आदर्श आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े कई मामले मामलों, जिन तक टीम का स्वतः पहुंचना संभव नहीं हो पता है। सी विजिल एप लोगों के लिए ऐसा माध्यम है जिससे एक सामान्य व्यक्ति भी अपने आसपास घटित होने वाले आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामलों के प्रमाण सीधे भारत निर्वाचन आयोग को भेज सकते हैं। भारत निर्वाचन आयोग तत्काल ऐसे मामलों को जिला पुलिस एवं प्रशासन के संज्ञान में लाता है। इस प्रकार के मामलों का संज्ञान आते ही जिला पुलिस प्रशासन तत्काल संज्ञान लेकर स्थिति की सत्यता की जांच करता है और पूरी जानकारी भी शिकायतकर्ता को उपलब्ध होती है।

उन्होंने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग चुनाव को पारदर्शी बनाने के लिए प्रयासरत है। निर्वाचन के दौरान यदि कोई भी मतदाताओं को प्रभावित करता है या आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करता है तो भी आप सी विजिल एप के माध्यम से गोपनीय तरीके से सूचना भारत निर्वाचन आयोग को दे सकते हैं।

मा0 प्रेक्षकगण ने विधानसभा उप निर्वाचन के अभ्यर्थियों के साथ की बैठक

अलीगढ़ विधानसभा उप निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त मा0 प्रेक्षकगणों ने प्रत्याशियों एवं उनके अभिकर्ताओं के साथ बैठक की। कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में बताया गया कि विधानसभा उपनिर्वाचन में प्रत्याशियों के व्यय की अधिकतम सीमा 40 लाख रूपये निर्धारित की गई है। प्रत्याशी सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान नगद रूप में अधिकतम 10 हजार रूपये तक व्यय कर सकते हैं।मा0 सामान्य प्रेक्षक के0 कर्पगम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन व्यय के संबंध में व्यवस्थित प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इस पूरी प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य धन बल से निर्वाचन प्रक्रिया को पूर्ण रूप से मुक्त रखना है। प्रत्याशी अनुमन्य धनराशि एवं मदों के अधीन रहते हुए ही निर्वाचन संबंधी व्यय कर सकेंगे, ताकि मतदाता बिना किसी भय, लोभ या लालच के स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।मा0 व्यय प्रेक्षक जगदीश डोडी ने आयोग के निर्देशों के क्रम में सभी प्रत्याशियों को
निर्देशित किया कि अभ्यर्थी व्यय का सही लेखा अनुरक्षित करने और व्यय का विवरण प्रस्तुत करने, दोनों के लिए प्रचार के सभी व्ययों में सोशल मीडिया के विज्ञापनों के व्यय को भी सम्मिलित किया जाए। उन्होंने अन्य बातों के साथ–साथ, विज्ञापनों को कैरी करने के लिए इंटरनेट कंपनियों और वेबसाइटों को किए गए भुगतान के साथ–साथ विषय–वस्तु के रचनात्मक विकास पर होने वाले प्रचार सम्बन्धी प्रचालनात्मक व्यय, ऐसे अभ्यर्थियों और राजनीतिक दलों द्वारा अपने सोशल मीडिया एकाउन्ट्स को बनाए रखने के लिए नियोजित कामगारों की टीम को दिए गए वेतनों और मजदूरियों पर प्रच. ालनात्मक व्यय, आदि भी सम्मिलित किए जाने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया वेबसा. इटों सहित इंटरनेट के माध्यम से किए जाने वाले प्रचार के साथ ही अन्य माध्यम यथा बल्क एसएमएस एवं वॉयस कॉल इत्यादि द्वारा किए गये प्रचार पर होने वाले व्यय के सम्बन्ध में आयोग द्वारा जारी निर्देशों को समस्त राजनैतिक दलों, निर्वाचन अभ्यर्थियों, मीडिया और समस्त प्रेक्षकों सहित सभी सम्बन्धितों के संज्ञान लाते हुए अनुपालन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों का भली भाँति अध्ययन करते हुए अनुपालन सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए हैं।मा0 व्यय प्रेक्षक ने प्रत्याशियों को बताया कि उनको तीन प्रकार के रजिस्टर दिए गए हैं, विभिन्न प्रकार के खर्चों को नियमित रूप से बिल बाउचर समेत अंकन करना है। प्रत्याशियों के व्यय पर निगाह रखने के लिए विभिन्न प्रकार की टीमों का गठन किया गया है, जो निरंतर सक्रिय हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुमन्य 40 लाख रूपये से अधिक निर्वाचन व्यय होने पर प्रत्याशी का निर्वाचन निरस्त किया जा सकता है। व्यय का ब्यौरा 05, 08 एवं 11 नवम्बर को अपरान्ह 02 बजे कलैक्ट्रेट स्थित छोटे सभागार में मिलान कराया जाएगा। बैठक में मा0 पुलिस प्रेक्षक आर0 शिवाकुमार, एडीएम वित्त मीनू राणा, एसडीएम खैर महिमा, एसटीओ योगेश कुमार, सहायक निर्वाचन अधिकारी बीएसपी से अशोक सिंह, ओपी आर्य, निशांत, मुकेश चन्द्र, गोपी चन्द्र, भाजपा से मोहित कुमार, सपा से हरिओम सिंह उपस्थित रहे।

विचाराधीन बंदी रघुवीर की मृत्यु के संबंध में 15 नवम्बर तक प्रस्तुत कर सकते हैं साक्ष्य

अलीगढ जिला मजिस्ट्रेट विशाख जी0 द्वारा विचाराधीन बंदी रघुवीर पुत्र रामपाल जाटव आयु लगभग 52 वर्ष निवासी नगला लाला थाना विजयगढ़ की 04 सितम्बर 2024 को जे0 एन0 मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मृत्यु की घटना की मजिस्ट्रियल जॉच के लिए नगर मजिस्ट्रेट को नामित किया गया है।नगर मजिस्ट्रेट राम शंकर ने मजि. स्ट्रियल जॉच के संबंध में समस्त सम्बंधित एवं सर्व साधारण को सूचित किया है कि वह 15 नवम्बर 2024 तक किसी भी कार्य दिवस व कार्यालय समय में नई कलेक्ट्रेट बिल्डिंग कमरा संख्या 04 में उपस्थित होकर अपना बयान अथवा अभिलेखीय साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि 15 नवम्बर के उपरांत किसी को भी अपना पक्ष रखने के लिए समय प्रदान नहीं किया जायेगा।

खैर विधानसभा उप निर्वाचन में 31 पिच्चासी प्लस एवं 22 दिव्यांग मतदाता घर बैठे करेंगे मतदान

अलीगढ़ 71–खैर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की आर0ओ0 एवं एसडीएम महिमा राजपूत ने बताया है कि उप निर्वाचन के लिए 85 वर्ष से अधिक आयु एवं दिव्यांग मतदाता 5 एवं 6 नवंबर को मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि उप निर्वाचन के लिए खैर क्षेत्र में 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 31 एवं 22 दिव्यांग मतदाताओं को चिन्हित किया गया है। इन सभी 53 मतदाताओं ने घर पर ही मतदान किए जाने की सहमति प्रदान की है। आर0ओ0 खैर महिमा ने बताया कि 5 एवं 6 नवंबर को पोस्टल बैलेट के माध्यम से यह 53 मतदाता अपने घर पर ही मताधिकार का प्रयोग करेंगे। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए 6 टीम बनाई गई हैं। इन टीमों को अलीगढ़ मुख्यालय से रवाना किया जाएगा। टीम के सभी सदस्य 6 सेक्टर्स में प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक घर–घर जाकर मतदान कराएंगे।

खैर विधानसभा के प्रत्याशी 05 नवम्बर को प्रस्तुत करेंगे निर्वाचन व्यय का लेखा–जोखा

अलीगढ़ आर0ओ0 खैर महिमा राजपूत ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा उप निर्वाचन में प्रत्याशियों द्वारा किए जा रहे निर्वाचन व्यय का मिलान कराए जाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि प्रत्याशियों द्वारा 4 नवंबर तक किए गए निर्वाचन व्यय का मिलान मंगलवार 5 नवंबर को किया जाएगा। मंगलवार 5 नवंबर को लेखा टीम के सदस्य कलेक्ट्रेट स्थित छोटे सभागार में दोपहर 2:00 बजे उप. स्थित रहेंगे। उन्होंने प्रत्याशियों एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं से कहा है कि वह समस्त लेखा अभिलेखों, बिल एवं वाउचर्स के साथ समय से उपस्थित हों। इसके साथ ही अगले मिलान की तिथियों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इसके लिए 8 एवं 11 नवंबर की तिथियां लेखा मिलान के लिए निर्धारित की गई हैं।

खैर विधान को सकुशल संपन्न कराने के लिए नियुक्त मा0 प्रेक्षकगण ने स्थानीय दूरभाष नंबर किए जारी

आमजन किसी भी समस्या, सुझाव या शिकायत के संबंध में सर्किट हाउस में कर सकते हैं भेंटवार्ता

अलीगढ़ 04 नवंबर 2024 (सू0वि0)रू 71–खैर विधानसभा उप निर्वाचन–2024 को स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मा0 पुलिस, व्यय एवं सामान्य प्रेक्षक की नियुक्ति की गई है। मा0 पुलिस, व्यय एवं सामान्य प्रेक्षक से उप निर्वाचन के दृष्टिगत किसी भी समस्या, सुझाव या शिकायत के संबंध में क्रमशः क्वार्सी स्थित सर्किट हाउस के कक्ष संख्या 02, 04 एवं 01 में भेंटवार्ता की जा सकती है।मा0 पुलिस प्रेक्षक श्री आर0 शिवाकुमार का स्थानीय स्थानीय मोबाइल नंबर 7599459184 एवं लाइज. निंग ऑफिसर सचिन कुमार पुलिस लाइन का मोबाइल नंबर 9548430038 है। इसी प्रकार मा0 व्यय प्रेक्षक श्री डोडी जगदीश जी का स्थानीय मोबाइल नम्बर 6398759949 एवं लाइजनिंग ऑफिसर अभिषेक श्रीवास्तव राज्य कर अधिकारी खण्ड–3 का मोबाइल नम्बर 8218073373 है और मा0 सामान्य प्रेक्षक श्रीमती के0 कर्पगम का स्थानीय मोबाइल नम्बर 8923936388 एवं लाइजनिंग ऑफिसर मौ0 अमान डिप्टी कलेक्टर का मोबाइल नम्बर 9910427195 है।

छठ पूजा की व्रत कथा में है बहुत शक्ति, सुनने या पढ़ने से ही दूर होती है हर व्यथा

छठ पूजा को लोकआस्था का महापर्व कहा जाता है. इसमें छठी मईया यानी षष्ठी देवी और भगवान भास्कर की पूजा होती है. पंचांग के अनुसार छठ पूजा का पर्व कार्तिक शुक्ल की चतुर्थी तिथि से शुरू होकर सप्तमी तिथि तक चलता है.छठ दिवाली के 6 दिन बाद मनाई जाती है. इस साल छठ की शुरुआत 5 नवंबर 2024 से होगी, जिसका समापन शुक्रवार 8 नवंबर 2024 को होगा. लेकिन छठ महाव्रत तब तक अधूरा होता है जब तक इससे संबंधित कथा न सुनी या पढ़ी जाए. आइये जानते हैं छठ पूजा की कथा के बारे में–छठ पूजा की कथा छठ पूजा की पौराणिक कथा राजा प्रियव्रत से जुड़ी है. कथा के अनुसार राजा को कोई संतान न होने के कारण वह और उसकी पत्नी बहुत दुखी रहते थे. संतान प्राप्ति की कामना के लिए राजा और उसकी पत्नी दोनों महर्षि कश्यप के पास गए. तब महर्षि ने यज्ञ करवाया और राजा की पत्नी गर्भवती हो गई. उसने 9 माह पूरे होने के बाद पुत्र को जन्म दिया. लेकिन वह मरा हुआ पैदा हुआ, जिसके बाद राजा और उसकी पत्नी पहले से अधिक दुखी हो गए.दुखी होकर राजा प्रियव्रत मरे हुए बेटे के साथ अपने प्राण भी त्यागने के लिए श्मशान में ही आत्महत्या का प्रयास करने लगे. तभी वहां एक देवी प्रकट हुई. देवी ने कहा मैं ब्रह्मा की पुत्री देवसेना हूं और मैं सृष्टि की मूल प्रवृत्ति के छठे अंश से उत्पन्न हुई देवी षष्ठी हूं.अगर तुम मेरी पूजा करोगे और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करोगे तो मैं तुम्हें पुत्र रत्न प्रदान करूंगी. राजा ने देवी की बात का पालन किया और का. र्तिक शुक्ल की षष्ठी तिथि को व्रत रखकर देवी षष्ठी की पूजा की. जिसके बाद राजा को पुत्र की प्राप्ति हुई. ऐसी मान्यता है कि इसके बाद से ही छठ पूजा की शुरुआत हुई.साल में दो बार होती है छठ पूजाबता

दें कि छठ पर्व साल में दो बार मनाया जाता है. कार्तिक मास के साथ ही चौत्र के महीने में भी छठ पूजा होती है, जिसे चौती छठ भी कहते हैं. वहीं कार्तिक मास की छठ पूजा को छठ महापर्व या कार्तिकी छठ के नाम से जाना जाता है. इस पर्व को स्त्री और पुरुष दोनों कर सकते हैं. छठी मईया की पूजा के साथ ही छठ सूर्य उपासना का भी अनुपम महापर्व है.

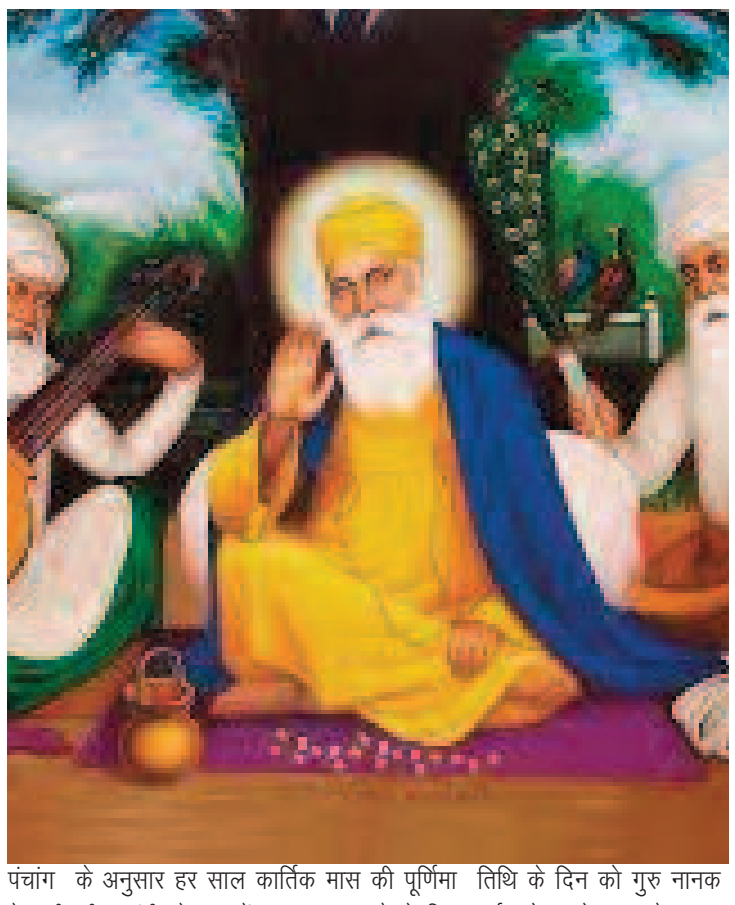

देवउठनी एकादशी पर करें ये सरल उपाय, आर्थिक तंगी समेत कई समस्याओं से मिलेगा छुटकारा

इस साल कार्तिक माह में आने वाली शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 11 नवंबर को शाम 06रू46 मिनट से हो रहा है, जिसका समापन अगले दिन 12 नवंबर को दोपहर बाद 04रू04 मिनट पर होगा। देवउठनी एकादशी के दिन देव योग निद्रा से जागते हैं और फिर सभी शुभ काम शुरू हो जाते हैं। हिंदू धर्म में इसे देवोत्थान एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष में आने वाली देवउठनी एकादशी देवी लक्ष्मी और श्रीहरि विष्णु को प्रसन्न करने का सबसे अच्छा दिन माना जाता है। उनके प्रभाव से बड़े से बड़े पाप भी क्षण भर में नष्ट हो जाते हैं।देवउठनी एकादशी तिथि वैदिक पंचांग के अनुसार, देवउठनी एकादशी का व्रत हर साल कार्तिक माह में आने वाली शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन रखा जाता है। इस साल कार्तिक माह में आने वाली शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 11 नवंबर को शाम 06रू46 मिनट से हो रहा है, जिसका समापन अगले दिन 12 नवंबर को दोपहर बाद 04रू04 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर 12 नवंबर 2024 को देवउठनी एकादशी का व्रत रखना शुभ रहेगा। खास बात ये है कि इस बार देवउठनी एकादशी के अगले दिन 13 नवंबर 2024 को तुलसी विवाह है। इस दिन कोई भी मांगलिक कार्य करना शुभ रहता है।व्रत के पारण का सही समय देवउठनी एकादशी के व्रत का पारण 13 नवंबर 2024 को प्रातरूकाल 06:42 मिनट से लेकर सुबह 08रू51 मिनट के बीच करना शुभ रहेगा। देवउठनी एकादशी व्रत के नियम इस दिन निर्जला उपवास रखा जाता है।इस व्रत में भगवान विष्णु या अपने इष्ट देवताओं की उपासना की जाती है। इस दिन तामसिक आहार प्याज, लहसुन, मांस, मदिरा, बासी भोजन न लें।एकादशी पर यदि आप व्रत न भी करें तो भी आपको ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। एकादशी के दिन भूलकर भी चावलों का सेवन न करें।शीघ्र विवाह के लिए करें ये उपाय अगर किसी लड़के या लड़की को विवाह में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है तो वह भी देवउठनी एकादशी के दिन इन उपाय से बाधाओं से बाहर निकल सकते हैं। इसी उद्देश्य से भगवान विष्णु की पूजा करते समय केसर, पीले चंदन या हल्दी से बने तिलक का प्रयोग करें। फिर पीले फूल चढ़ाएं। इससे शीघ्र विवाह के योग बनते हैं। अगर आप अपनी मनोकामना पूरी करना चाहते हैं तो देवउठनी एकादशी के दिन पीपल के पेड़ पर जल का दान अवश्य करें। पीपल के पेड़ में भगवान विष्णु का वास माना जाता है। जल चढ़ाने से आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी।इस दिन तुलसी विवाह कराना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से शादी में आ रही रुकावटें दूर होती हैं और जल्द ही विवाह का योग बनता है। तुलसी के पौधे में कच्चे दूध में गन्ने का रस मिलाकर अर्पित करना चाहिए। तुलसी के पौधे के सामने पांच देसी घी के दीपक जलाकर आरती करनी चाहिए। जिन लोगों की कन्याएं नहीं होतीं, वे इस दिन तुलसी का विवाह करके कन्यादान का पुण्य प्राप्त कर सकते हैं। देवउठनी एकादशी के अन्य उपाय एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पहले शंख में गाय के दूध भरकर स्नान कराएं इसके बाद गंगाजल से स्नान कराएं। ऐसा करने से व्यक्ति की आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं। भगवान विष्णु की पूजा के दौरान ओम नमो भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का जाप करें। इससे जीवन में आ रही परेशानियां दूर होती हैं। भगवान विष्णु की पूजा में शुद्ध घी का दीया जरूर जलाएं और भोग में तुलसीदल रखकर अर्पित करें।

देव दीपावली कब, इस दिन इन उपायों को करने से दूर होगी धन की समस्या

दिवाली के 15 दिन बाद कार्तिक पूर्णिमा को देव दिवाली मनाई जाती है. इसे देवताओं की दिवाली कहते हैं. इस दिन कुछ विशेष उपाय करने से धन की प्राप्ति होती है और मां लक्ष्मी का आशीष मिलता है.कार्तिक पूर्णिमा के दिन देव दिवाली मनाई जाती है. मान्यता है कि भगवान शिव द्वारा त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध करने की खुशी में इस दिन देवता दीप जलाकर दिवाली मनाते हैं. इसलिए इसे देवताओं की दिवाली कहा जाता है.कार्तिक अमावस्या को जहां दिवाली मनाई जाती है, वहीं देव दिवाली कार्तिक पूर्णिमा को मनाई जाती है, जोकि इस साल 15 नवंबर 2024 को है. इस दिन स्नान, दान, पूजा–पाठ का खास महत्व होता है. इसी के साथ इस दिन कुछ विशेष उपाय करने से आर्थिक समस्याओं का समाधान भी होता है.

ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार देव दिवाली के दिन तुलसी की 11 पत्तियों को धागे में पिरोकर माला बनालें और इसे भगवान विष्णु को अर्पित करें. ऐसा करने से भग. वान विष्णु का आशीर्वाद मिलेगा और जीवन में चल रही परेशानियां दूर होंगी.देव दिवाली पर मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए घर के मुख्य द्वार की साफ–सफाई करें, तोरण लगाएं, रंगोली बनाएं और गंगाजल में हल्दी मिलाकर छिड़काव करें. साथ ही संध्याकाल में मुख्य द्वार पर घी का दीपक भी जलाएं. इस उपाय से घर पर मां लक्ष्मी का आगमन होगा और आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिलेगी.कार्तिक

पूर्णिमा या देव दिवाली के दिन बहते हुए जल या देव स्थान पर दीपदान करने का महत्व है, इससे भगवान प्रसन्न होते हैं और जीवन से खुशहाली आती है.देव दिवाली के दिन घर पर दिए जलाएं. किसी एक दिप में 7 लौंग डाल दें. इस उपाय से दरिद्रता घर से कोसों दूर चली जाती है.

गोपाष्टमी 2024 में कब है ? जानें डेट, इस दिन किसकी पूजा होती है

दिवाली के बाद गायों की पूजा का विशेष महत्व है. हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया है. गौ पूजन करने वालों को कभी दुख का सामना नहीं करना पड़ता. कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को गोपाष्टमी पर्व मनाया जाता है.इस दिन गाय की पूजा बहुत खास मानी गई है. गोपाष्टमी मथुरा, वृंदावन और ब्रज के अन्य क्षेत्रों में प्रसिद्ध त्योहार है. इस साल 2024 में गोपाष्टमी कब है, यहां देखें गोपाष्टी की तारीख, पूजा मुहूर्त और महत्व.गोपाष्टमी 2024 डेट गोपाष्टमी 9 नवंबर 2024, रविवार को है. गोपाष्टमी पर, गायों और उनके बछड़े को सजाया जाता है और सुख–समृद्धि की कामना से उनकी पूजा की जाती है. मान्यता है कि इसी दिन से भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने गौ चरण की लीला शुरू की थी.गोपाष्टमी 2024 मुहूर्त कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की अष्ट (मी तिथि 8 नवंबर 2024 को रात 11 बजकर 56 मिनट पर शुरू होगी और 9 नवंबर 2024 को रात 10 बजकर 45 पर समाप्त होगी.गाय की पूजा – सुबह 08.01 – सुबह 09.22 दोपहर पूजा – दोपहर 12.05 – शाम 04.09 गोपाष्टमी पर गाय की पूजा का महत्व गोपाष्टमी के दिन लोग गायों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान दर्शाते हैं. मान्यता है कि गायमें 33 कोटि देवी–देवता का वास होता है. इनकी आराधना से जीवन में नवग्रहों के दोष दूर होते हैं. धन संकट की समस्या खत्म होती है.

गोपाष्टमी की पूजा विधि गोपाष्टमी तिथि

को ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सबसे पहले स्वयं स्नानादि करना चाहिए और भगवान कृष्ण के समक्ष दीप प्रज्वलित करें.
गाय–बछड़े को नहलाकर तैयार करें और गाय को घुंघरू आदि पहनाएं. गौ माता के सींग रंगकर उनमें चुनरी बांधे.अब गाय को भोजन कराए. इसके बाद गाय की परिक्रमा करें.गोधूलि बेला में पुनः गाय का पूजन करें और उन्हें गुड़, हरा चारा आदि खिलाएं.

गुरू नानक देव के ये उपदेश हैं वरदान, अपनाने से बदल जाएगा जीवन

पंचांग के अनुसार हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि के दिन को गुरु नानक देव जी की जयंती के रूप में मनाया जाता है. वे सिख धर्म के पहले गुरु और संस्थापक थे. इस साल गुरु नानक जयंती 15 नवंबर 2024 को है.गुरु नानक देव एक महान दार्शनिक, योगी और समाज सुधारक के रूप में जाने जाते हैं. बाल्यावस्था से ही उनकी रुचि आध्यात्म की ओर थी. कहा तो यह भी जाता है कि उन्हें लगभग सभी धर्मग्रंथों का ज्ञान था. सिख धर्म के पवित्र गुरुग्रंथ साहिब के शुरुआती 940 शब्द गुरुनानक देव जी के ही हैं.लोगों को प्रेम करना, एकता, समानता, भाईचारा और आध्यात्मिक ज्योति का संदेश देना ही गुरु नानक देव के जीवन का मूलमंत्र है. साथ ही उनके उपदेश ऐसे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं. आइये जानते हैं सिख के पहले गुरु गुरु नानक देव के जी अनमोल उपदेश–एक ओंकार गुरु नानक देव जी ने लोगों को एक ओंकार के महत्व के बारे में बताया और समझाया. इसका अर्थ होता है कि ईश्वर एक है और एक ही जगह मौजूद है. गुरु नानक जी के अनुसार– ईश्वर हर व्यक्ति, हर दिशा और हर स्थान पर है.धन कमाने का तरीका ॅ(ल जव मंतद उवदमल)रू पैसे कमाने की जरूरत और लालच हर पीढ़ी में रही है और आगे भी रहेगी. लेकिन गुरु नानक देव जी का मानना है कि धन कमाने का एक तरीका होना चाहिए. धन ऐसे में भी नहीं कमाना चाहिए, जिसमें सही–गलत का भान ही न रहे. गुरु नानक जी धन अर्जित करने के तरीके को लेकर कहते हैं कि– लोभ का त्याग करके, मेहनत करके और न्यायोचित तरीके से ही धन कमाना करना चाहिए.विजय होने का तरीकारू गुरु नानक देव जी कहते हैं कि दुनिया से विजयी होने या जीत हासिल करने से पहले अपने भीतर के विकारों और बुराईयों पर जीत हासिल करना सीखना जरूरी है.सेवा से ही कमर्रू गुरु नानक देव जी कहते हैं कि, जीवन में जब मौका मिले और आप समर्थ हों तो दूसरों की मदद और सेवा करने करें. सेवा करने का मौका मिले जो उसे कभी छोड़ना नहीं चाहिए. गरीब, जरूरतमंदों और असहायों की सेवा से कर्म तो बढ़ता ही है साथ ही इससे संतुष्टि और शांति की प्राप्ति होती है. इसलिए स्वार्थी बनकर सिर्फ अपने बारे में कभी न सोचें.सबकी बात जरूरीरू समता और बराबरी को लेकर गुरु नानक देव जी कहते थे कि– धर्म, जाति और लिंग के आधार भेदभाव अनुचित है. इसलिए खुद गुरु नानक देव जी सबकी और सभी धर्मों की बात करते थे. इसलिए कहा जाता है 'नानक नाम चढ़दी कला तेरे भाने सरबत दा भला'. यानी आप नानक का नाम लेते हुए सबके भले की बात करें. इससे खुद का भला हो जाता है.

नवंबर में शनि होंगे मार्गी, शुक्र समेत 3 ग्रहों का गोचर भी, इन 3 राशियों की पलटेगी किस्मत

नवंबर २०२४ में सूर्य, शुक्र, बुध का गोचर होने वाला है. साथ ही शनि मार्गी होंगे. ये महीना कुछ राशियों के जीवन में खुशियां लेकर आएगे. इन पर मां लक्ष्मी की कृपा बरसेगी.शुक्र ग्रह ७ नवंबर २०२४ को सुबह ३ बजकर ३६ मिनट पर धनु राशि में प्रवेश करेंगे.१६ नवंबर २०२४ को सुबह ०७ बजकर ४१ मिनट पर ग्रहों के राजा सूर्य वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे. इस दिन वृश्चिक संक्रांति मनाई जाएगी.१५ नवंबर २०२४ को शाम ०७ बजकर ५१ मिनट पर शनि कुंभ राशि में मार्गी होने जा रहे हैं. शनि की बदलती चाल कई राशियों के जीवन में शुभ–अशुभ असर डालेगी.२६ नवंबर २०२४ को सुबह ०८ बजकर ११ मिनट पर बुध वक्री होंगे. १६ दिसंबर तक बुध इसी अवस्था में रहेंगे.२८ नवंबर २०२४ को बृहस्पति रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे. इससे कई राशियों को आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा. सफलता कदम चूमेगीनवंबर में ग्रहों के राशि परिवर्तन और शनि के मार्गी होने से मेष राशि वालों के अच्छे दिन शुरू होंगे. व्यवसाय में तरक्की होगी. सिंह राशि वालों के लक्ष्य प्राप्ति की योजना सफल होगी. तुला राशि वालों की सेहत में सुधार होगा साथ ही धन आवक बढ़ेगी

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा –संम्पादक
मौः–8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक–अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा